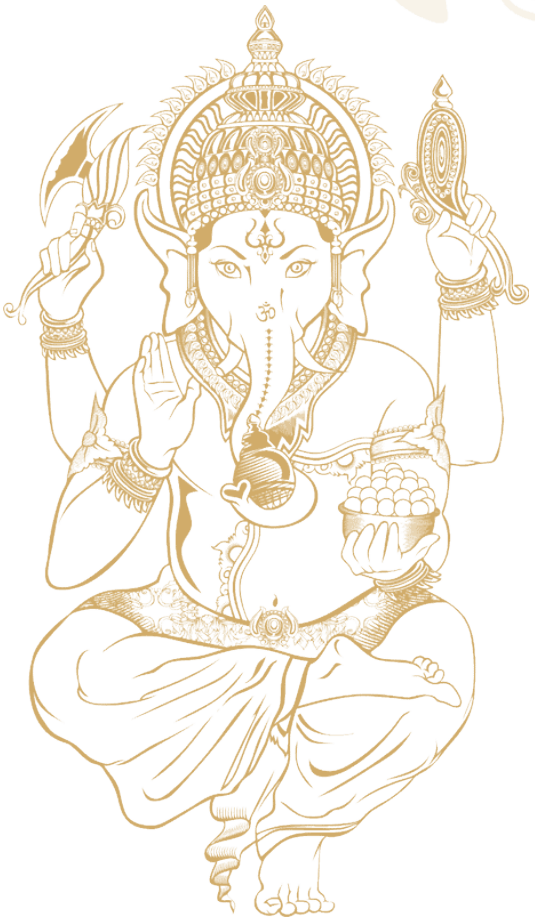

Soni Kumari

30 Oct 1984

06:00 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121645402

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30/10/1984**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**06:00:00 घंटे**
इष्ट	00:09:31 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:10:00 घंटे
वेलान्तर	00:16:22 घंटे
साम्पातिक काल	08:44:04 घंटे
सूर्योदय	05:56:11 घंटे
सूर्यास्त	17:11:01 घंटे
दिनमान	11:14:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	13:07:38 तुला
लग्न के अंश	13:11:35 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	धृति
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढपली
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:11:35	318:08:10	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			तुला	13:07:38	00:59:59	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	नीच राशि
चंद्र			धनु	25:20:01	12:55:58	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			धनु	23:58:28	00:43:51	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	तुला	25:08:50	01:31:39	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
गुरु			धनु	14:52:09	00:09:46	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			वृश्चि	18:14:58	01:12:49	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
शनि		अ	तुला	23:57:58	00:07:06	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	उच्च राशि
राहु			वृष	03:57:35	00:01:46	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	03:57:35	00:01:46	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	18:00:21	00:03:10	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
नेप			धनु	05:41:06	00:01:33	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो			तुला	08:37:09	00:02:25	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			कर्क	14:56:41	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:27

लग्न-चलित

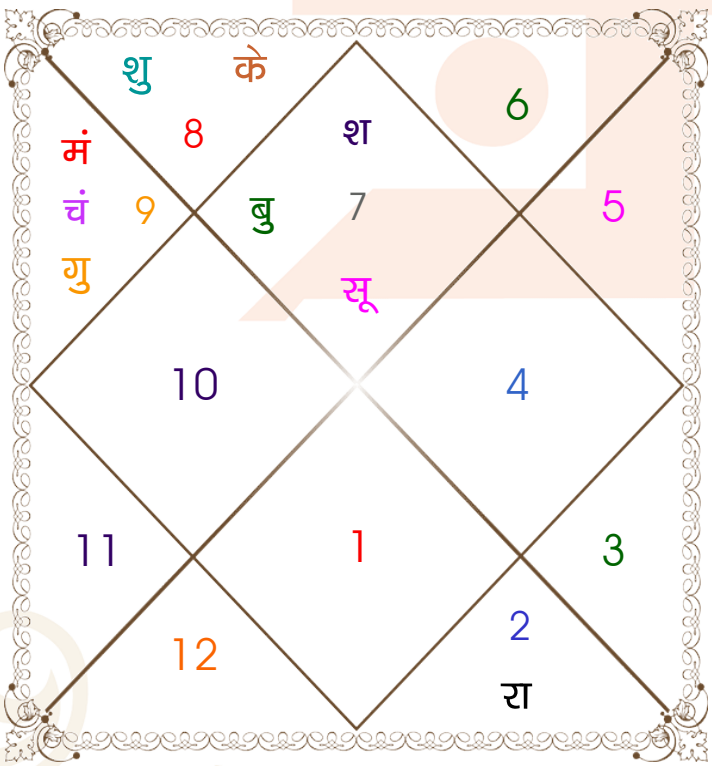

चन्द्र कुंडली

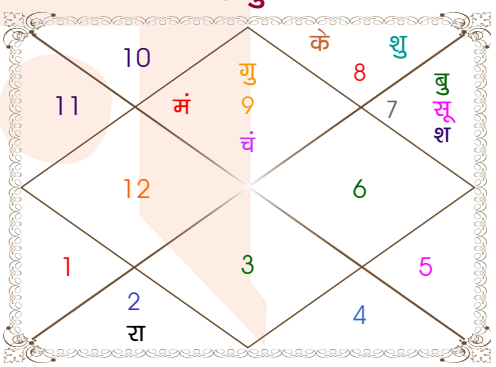

नवमांश कुंडली

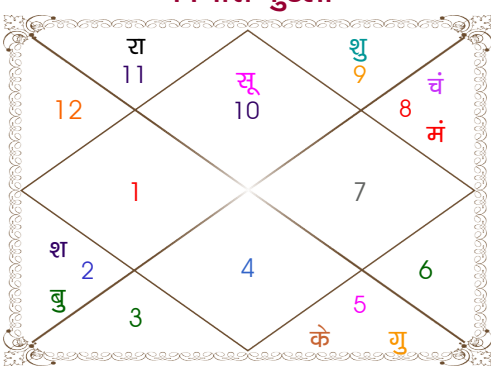

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 1 वर्ष 11 मास 30 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
30/10/1984		30/10/1986		30/10/1992		30/10/2002		30/10/2009	
30/10/1986		30/10/1992		30/10/2002		30/10/2009		30/10/2027	
	00/00/0000	सूर्य	17/02/1987	चंद्र	30/08/1993	मंगल	28/03/2003	राहु	12/07/2012
	00/00/0000	चंद्र	18/08/1987	मंगल	31/03/1994	राहु	15/04/2004	गुरु	06/12/2014
	00/00/0000	मंगल	24/12/1987	राहु	30/09/1995	गुरु	22/03/2005	शनि	12/10/2017
	00/00/0000	राहु	17/11/1988	गुरु	29/01/1997	शनि	30/04/2006	बुध	30/04/2020
	00/00/0000	गुरु	05/09/1989	शनि	30/08/1998	बुध	28/04/2007	केतु	18/05/2021
	00/00/0000	शनि	18/08/1990	बुध	30/01/2000	केतु	24/09/2007	शुक्र	18/05/2024
	30/10/1984	बुध	24/06/1991	केतु	30/08/2000	शुक्र	23/11/2008	सूर्य	12/04/2025
बुध	30/08/1985	केतु	30/10/1991	शुक्र	30/04/2002	सूर्य	31/03/2009	चंद्र	12/10/2026
केतु	30/10/1986	शुक्र	30/10/1992	सूर्य	30/10/2002	चंद्र	30/10/2009	मंगल	30/10/2027

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/10/2027		30/10/2043		30/10/2062		30/10/2079		30/10/2086	
30/10/2043		30/10/2062		30/10/2079		30/10/2086		00/00/0000	
गुरु	18/12/2029	शनि	02/11/2046	बुध	28/03/2065	केतु	27/03/2080	शुक्र	01/03/2090
शनि	30/06/2032	बुध	12/07/2049	केतु	25/03/2066	शुक्र	28/05/2081	सूर्य	01/03/2091
बुध	06/10/2034	केतु	21/08/2050	शुक्र	23/01/2069	सूर्य	02/10/2081	चंद्र	30/10/2092
केतु	12/09/2035	शुक्र	21/10/2053	सूर्य	29/11/2069	चंद्र	03/05/2082	मंगल	30/12/2093
शुक्र	13/05/2038	सूर्य	03/10/2054	चंद्र	01/05/2071	मंगल	30/09/2082	राहु	29/12/2096
सूर्य	01/03/2039	चंद्र	03/05/2056	मंगल	27/04/2072	राहु	18/10/2083	गुरु	30/08/2099
चंद्र	30/06/2040	मंगल	12/06/2057	राहु	14/11/2074	गुरु	23/09/2084	शनि	31/10/2102
मंगल	06/06/2041	राहु	18/04/2060	गुरु	19/02/2077	शनि	02/11/2085	बुध	31/10/2104
राहु	30/10/2043	गुरु	30/10/2062	शनि	30/10/2079	बुध	30/10/2086		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 2 वर्ष 0 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करती रहती हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहती हैं।

आप अपने पति की सभी बातें मानेंगी। आप अपने पति के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करती रहेंगी। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगी। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा महिला हैं।

आपकी आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहती हैं। आप ऐसा चाहती हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहती। आप अपनी वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहती हैं। आप एक शिक्षित महिला की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहती हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करती हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहती है। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगी। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहती हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।